हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

तापमान

अधिकतम 18.6 डिग्री
न्यूनतम 4.0 डिग्री

11 अंडर-19 क्रिकेट लीगः एमडीसीए ने उपाध्याय ...

12 संगत ने 'जो बोले सो निहाल' के जयकारों ...

सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता ने कहा, भूजल स्तर काफी ऊंचा होने की वजह से कई जगह खेती संभव नहीं

जलभराव की वजह से इस बार 2500 एकड़ में नहीं हुई गेहूं बिजाई

- बरसाती पानी की निकासी और जलभराव रोकने के लिए पिछले दिनों सरकार ने 29 प्रोजेक्ट को दी स्वीकृति

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

गत मानसून में सामान्य से 34 प्रतिशत अधिक बरसात रोहतक जिले में हुई। जिससे कई गांवों में धान समेत खरीफ की दूसरी फसलें तबाह हो गई और किसान मन मसोस कर रह गए। किसानों को उम्मीद थी कि रबी की बिजाई तक बरसाती पानी की निकासी हो जाएगी, लेकिन नहीं हुई। जिसकी वजह से गेहूं की बिजाई भी नहीं हो पाई। किसान सभा ने पीड़ित किसानों से गांव-गांव जाकर पिछले दिनों बातचीत की। इसी दौरान सभा ने खाली पड़े खेतों का डाटा भी एकत्रित किया है। जिसके मुताबिक महम सब डिविजन के गांव सैमाण में 250 एकड़,बेडवा में 150-160, भैणी महाराजपुर में 100, भैणी भैरों में 600, सीसर में 100, मोखरा में 350, मदीना में 60, कलानौर तहसील के गांव बलम में 30,माड़ौधी में 70 और डोभ में 20 और कुताना की 40 एकड़ में गेहूं की बिजाई इस बार नहीं हुई।

रोहतक। गांव भैणी भैरों में अभी भी ऐसा भरा है बरसाती पानी। फोटो : हरिभूमि

15 दिसंबर तक पानी की निकासी करनी थी

सिंचाई विभाग को खेतों में भरे पानी की निकासी 15 दिसंबर तक करनी थी। विभाग ने निकासी करवाई, लेकिन कुछ एरिया में नहीं हुआ। विभाग के कार्यकारी अभियंता राजेश भारद्वाज बताते हैं कि एकाध गांव को छोड़कर बाकि के सभी की पानी की निकासी कराई जा चुकी है। जहां पर पानी इस समय भी भरा हुआ है, वहां जमीनी पानी का स्तर काफी अधिक है। पानी निकालने के साथ ही फिर से जलभराव हो जाता है। जमीनें दलदली हैं। विभाग ने अपने पूरे संसाधन लगाकर बरसाती पानी को निकाला है।

समय रहते प्रशासन ने नहीं ली सुध

सुमित दलाल किसान सभा के प्रदेश महा सचिव

किसान सभा के प्रदेश महा सचिव सुमित दलाल ने कहा कि पानी की निकासी में देरी होने की वजह से ही किसान गेहूं की बिजाई नहीं कर पाए। अगर समय रहते सरकार पानी निकलवा देती तो बिजाई हो जाती है। 15 दिसंबर के बाद इस समय भी पानी भरा हुआ है। दलाल ने बताया कि धान की फसल ज्यादा बरसात होने के कारण नष्ट हो गई थी। अब गेहूं की बिजाई नहीं हो पाई। लगातार दो फसलों से किसान वंचित हो गए हैं। इसकी भरपाई नहीं हो पाएगी।

अब कई प्रोजेक्ट होंगे शुरू

बरसाती पानी की निकासी के लिए जिले के 29 प्रोजेक्ट को सरकार ने स्वीकृति दी है। इनमें भैणी सुरजन, भैणी चंद्रपाल एवं सैमाण के निचले क्षेत्रों से जल निकासी के लिए भूमिगत आरसीसी पाइपलाइन बिछाई जाएगी। बैंसी में महम ड्रेन के विभिन्न स्लफिंग क्षेत्रों में कृषि भूमि एवं आबादी क्षेत्र की सुरक्षा हेतु आरसीसी सुरक्षा दीवार बनेगी। मोखरा खेड़ी में जलभराव न हो, इसके लिए मदीना लिंक के बाएं किनारे आरसीसी की दीवार, भैणी माता में आरसीसी पाइपलाइन, सैमाण में भी आरसीसी पाइपलाइन, पाकस्मा ड्रेन तक पाइपलाइन, आसन लिंक ड्रेन के कैचमेंट क्षेत्र में भूमिगत पाइपलाइन, फरमाना में पाइपलाइन, बहलबा में आरसीसी भूमिगत पाइपलाइन, महम ड्रेन के आरडी 82150/आर पर समपवेल, जसिया में राजकीय महाविद्यालय से खानी लिंक ड्रेन में आउटफॉल तक आरसीसी ट्रफ निर्माण, महम ड्रेन की आरडी 81000 एवं 86000 (पाइपलाइन) पर डाली जाएगी। इसी प्रकार सैमाण में जूई फीडर पर नए पंप हाउस, नांदल के खेतों के निचले क्षेत्रों से बाढ़ जल निकासी के लिए भूमिगत पाइपलाइन, पाकस्मा में बलियाना रोड पाकस्मा ड्रेन पर समपवेल, खरखौदा बाइपास के नजदीक सांपला व चुलियाना में 5/10 क्यूसेक क्षमता वीटी पंप, भालौठ, किलोई, आसन एवं धामड़ में वीटी पंप स्थापित होंगे। इसी प्रकार इस्माइला, खरावड़, शिमली, भैणी सुरजन, लाढौत, कंसाला, आंवल, मसूदपुर, बालंद, भैणी चंद्रपाल और भैणी महाराजपुर के लिए सरकार ने प्रोजेक्ट को स्वीकृति प्रदान की है।

शहर में आज

- ⏭ आंबेडकर चौक पर सुबह 9 बजे से रक्तदान शिविर
- ⏭ मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों की बैठक

बिजली कट

- ⏭ सुबह 9 से लेकर 11 बजे तक

प्रेम नगर, दुर्गा कॉलोनी, चमनपुरा, संजय कॉलोनी, गुरु नानक पुरा, अशोक गली, सोनीपत स्टैंड, मानसरोवर कॉलोनी, विकास नगर, सिविल हॉस्पिटल के सामने का एरिया, पुलिस लाइन, आईसी कॉलेज, डीसी ऑफिस

- ⏭ सुबह 10.30 से लेकर 5 बजे तक

ओम धर्मकांटा से हिसार भिवानी लिंक रोड, ओल्ड सरिया मील, पन्ना लाल की दुकान के आस पास का एरिया

- ⏭ सुबह 10 से 5 बजे तक

वैश्य कॉलेज, नया पड़ाव, अग्रसेन कॉलोनी, जनता कॉलोनी, कच्चा बेरी रोड, न्यू जनता कॉलोनी, सुनारिया रोड, श्री राम नगर, हरी सिंह कॉलोनी, कुंज विहार, नई अनाज मंडी, नई सब्जी मंडी, शुगर मिल कॉलोनी, अजीत कॉलोनी, राजेंद्र कॉलोनी, पालिका कॉलोनी, रेलवे फीडर

दो माह में टेंडर : शहर के कई इलाकों की सुधरेगी सीवर निकासी व्यवस्था

3.66 करोड़ से सिंहपुरा सीवर डिस्पोजल का होगा नवीनीकरण

हाई पावर मोटर लगाई जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर में सीवर व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया जा रहा है। सिंहपुरा सीवर डिस्पोजल स्टेशन के नवीनीकरण के लिए जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार की गई डीपीआर को स्वीकृति मिल चुकी है। इस परियोजना पर करीब 3 करोड़ 66 लाख रुपये की लागत आएगी। स्वीकृति मिलने के बाद अब विभाग ने प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए अगले दो माह के भीतर टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली है। टेंडर के तुरंत बाद निर्माण और नवीनीकरण का कार्य शुरू किया जाएगा। सिंहपुरा डिस्पोजल लंबे समय से शहर के कई प्रमुख इलाकों की सीवर निकासी का भार संभाल रहा है। समय के साथ यहां लगी मोटरें और अन्य उपकरण पुराने हो चुके हैं, जिससे सीवर लाइन में पर्याप्त क्षमता से पंपिंग नहीं हो पा रही थी। खासकर बरसात के दिनों में या अधिक लोड के समय सीवर ओवरफ्लो, बैकफ्लो और जाम जैसी समस्याएं सामने आती थीं। इन्हीं दिक्कतों को देखते हुए विभाग ने डिस्पोजल के पूर्ण नवीनीकरण का निर्णय लिया है। इस परियोजना के तहत डिस्पोजल में लगी कम पावर की सभी मोटरों को हटाकर हाई पावर मोटरें लगाई जाएंगी, सभी पुरानी मोटरों को बदलकर नई और आधुनिक तकनीक वाली मोटरें स्थापित की जाएंगी, जिससे सीवर को तेज और निर्बाध तरीके से आगे पंप किया जा सके।

बरसात के दिनों में या अधिक लोड के समय सीवर ओवरफ्लो, बैकफ्लो और जाम जैसी समस्याएं सामने आती थी

रोहतक। जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग। फोटो : हरिभूमि

कम पावर की सभी मोटरें बदली जाएंगी

नवीनीकरण का सीधा लाभ जींद रोड, हिसार रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नेहरू कॉलोनी, गोकर्ण सहित आसपास के बड़े क्षेत्रों को मिलेगा। इस परियोजना पर करीब 3 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत आएगी। इस परियोजना के तहत डिस्पोजल में लगी कम पावर की सभी मोटरों को हटाकर हाई पावर मोटरें लगाई जाएंगी। सभी पुरानी मोटरों को बदलकर नई और आधुनिक तकनीक वाली मोटरें स्थापित की जाएंगी। - शिवराज सिंह, अधीक्षण अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

तकनीकी खराबियों की संभावना भी कम होगी

इससे सिस्टम की क्षमता बढ़ेगी और तकनीकी खराबियों की संभावना भी कम होगी। विभाग का लक्ष्य है कि कार्य को तय समय सीमा में पूरा किया जाए ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द सीवर ओवरफ्लो और गंदगी की समस्या से राहत मिल सके। नवीनीकरण पूरा होने के बाद सिंहपुरा सीवर डिस्पोजल अधिक क्षमता और बेहतर कार्यक्षमता के साथ काम करेगा।

इन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ

नवीनीकरण का सीधा लाभ जींद रोड, हिसार रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नेहरू कॉलोनी, गोकर्ण सहित आसपास के बड़े क्षेत्रों को मिलेगा। इन इलाकों में सीवर निकासी की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी। खासकर टेल एंड पर बसे क्षेत्रों में सीवर का पानी समय पर डिस्पोजल तक नहीं पहुंच पाता था, जिससे सड़कों पर गंदा पानी जमा हो जाता था। नई हाई पावर मोटरों के लगने से अब सीवर का प्रवाह बेहतर होगा और टेल एंड तक की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।

बढ़ती आबादी और लोड के चलते लिया निर्णय

यह नवीनीकरण केवल मौजूदा समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। शहर के विस्तार और बढ़ती आबादी के साथ सीवर लोड भी लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में यह परियोजना आने वाले वर्षों के लिए सीवर व्यवस्था को मजबूत बनाएगी और लोगों लंबे समय से बनी समस्याओं का समाधान होगा।

अनुराग ठाकुर से मिले वीसी डॉ. अमित आर्य

डीएलसी सुपवा की प्रगति और योजनाओं पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) के कुलपति डॉ. अमित आर्य ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित पूर्व मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डीएलसी सुपवा की वर्तमान प्रगति, शैक्षणिक दृष्टि और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान डॉ. अमित आर्य ने ठाकुर को डीएलसी सुपवा की स्थापना, उद्देश्य और अब तक की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय को शैक्षणिक और व्यावसायिक रूप से उच्च स्तर पर ले जाने के लिए शुरू की गई अकादमिक, संस्थागत और रचनात्मक पहलों से अवगत कराया। मंत्रालय के पूर्व सलाहकार के रूप में अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए डॉ. आर्य ने प्रदर्शन एवं दृश्य कला के क्षेत्र में डीएलसी सुपवा को देश का अग्रणी केंद्र बनाने की रणनीतिक दृष्टि को रेखांकित किया।

रोहतक। पूर्व खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से शिष्टाचार भेंट करते डीएलसी सुपवा के कुलपति डॉ. अमित आर्य।

बाकरा हेड में सप्ताह बाद मिला बोहर की महिला का शव

रोहतक। झज्जर के बाकरा हेड में एक महिला का शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा कर्मचारियों व राहगीरों की सहायता के शव को पानी से बाहर निकलवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतका की पहचान रोहतक जिले के गांव बोहर निवासी करीब 55 वर्षीया संतोष पत्नी सतबीर के तौर पर हुई है। शव की शिनाख्त करने अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि संतोष बीती 26 दिसंबर से लापता थी। उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी पुलिस को दी गई थी।

तीन देसी पिस्तौल व छह रौंद बरामद, दो युवक गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ टीम ने गश्त के दौरान सफलता हासिल करते हुए मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन देसी पिस्तौल और छह जिंदा रौंद बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। प्रभारी स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ उप-निरीक्षक अश्वनी अहलावत ने बताया कि सहायक उप-निरीक्षक सज्जन के नेतृत्व में पुलिस टीम सांपला बस स्टैंड के पास गश्त के दौरान काबू किया।

खबर संक्षेप

दो युवक अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने गश्त के दौरान अलग-अलग स्थानों से दो युवकों को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से दो देसी पिस्तौल और तीन जिंदा रौंद बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। एक पहचान विकास पुत्र सत्यवान, निवासी गांव खर्रेंटी के रूप में हुई और दूसरे की अतुल के रुप में हुई है।

शिविर में इंतकाल के 173 मामले निपटाए

रोहतक। विशेष शिविर में वेब-हालरिस पोर्टल पर कुल 96 म्यूटेशन दर्ज किए गए, जिनमें 07 विरासत से संबंधित मामले शामिल रहें। इसके अतिरिक्त, विधिवत सत्यापन के उपरांत 173 म्यूटेशन स्वीकृत किए गए, जिससे भूमि अभिलेखों का समयबद्ध अपडेट सुनिश्चित हुआ।

पीजीआईएमएस अनुबंध कर्मियों की बैठक

कल होने वाले यूनियन चुनाव में भाग लेने की अपील

रोहतक। अपनी मांगों के लिए नारेबाजी करते अनुबंध कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पीजीआईएमएस अनुबंध कर्मचारियों के मुख्य पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता यूनियन प्रधान कलावती कांगड़ा ने की। बैठक में यूनियन के संविधान के अनुसार कार्यकाल समाप्त होने के बाद नए चुनाव करवाने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों और साथियों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पीजीआईएमएस अनुबंध कर्मचारी (इंटक) यूनियन के चुनाव 5 जनवरी दिन सोमवार को कराए जाएंगे। बैठक में तय किया गया कि सभी साथियों के सहयोग से यूनियन की नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

इस अवसर पर यूनियन के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और अनुबंध कर्मचारियों से अपील की गई कि वे 5 जनवरी को दोपहर 2 बजे डायरेक्टर ऑफिस के सामने पार्क में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें। प्रधान कलावती कांगड़ा ने बताया कि इस दौरान कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन को मांग पत्र सौंपा जाएगा।

प्रतियोगिता राजकीय महिला विद्यालय में दो दिवसीय फर्स्ट मिक्सड टेबल टेनिस मुकाबले शुरू

फ्रेंड्स क्लब, श्रीराम सेना और ग्लैडिएटर्स ने अपने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन बेहद जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय फर्स्ट मिक्सड टेबल टेनिस लीग 2026 का शनिवार को शुभारंभ डीसी सचिन गुप्ता ने किया। प्रतियोगिता के पहले दिन ग्रुप लीग के मैच खेले गए। शुरुआती मुकाबले फ्रेंड्स टेबल टेनिस क्लब, श्रीराम सेना, सिक्स डिग्री टेबल टेनिस क्लब, टीम ग्लैडिएटर्स ने अपने-अपने मैच जीत कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। खेल व खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए निवेशकों से खेल क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश करने का आह्वान किया है।

उपायुक्त ने टेनिस कोर्ट में जाकर खिलाड़ियों का परिचय लिया और उन्हें खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। सचिन गुप्ता ने कहा कि जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन बेहद जरूरी है। ऐसी प्रतियोगिताएं जिला में एक मजबूत, समावेशी और सकारात्मक खेल संस्कृति विकसित करने में भी मददगार साबित होती है। टेनिस कोर्ट पर खिलाड़ियों से संवाद करते हुए उपायुक्त ने उन्हें अनुशासन, समर्पण और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने कहा कि जिला स्तरीय लीग युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव, आत्मविश्वास और सीखने का अवसर प्रदान करती हैं, जो भविष्य की उत्कृष्ट उपलब्धियों की मजबूत नींव साबित होगी। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि खेल उद्योग मनोरंजन और मीडिया का एक बड़ा हिस्सा है, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि खेल उद्योग में विकास के अपार अवसर मौजूद हैं, क्योंकि यह उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों और लीगो तक पहुंच प्रदान करता है, जिन तक अधिकांश निवेशकों की पहुंच नहीं होती। लाइव प्रसारण के माध्यम से प्रशंसकों की सहभागिता आमतौर पर मीडिया राजस्व को बढ़ाती है और प्रीमियम विज्ञापन के अवसर पैदा करती है, जिससे खेल निवेश आकर्षक बन जाता है।

रोहतक। टेबल टेनिस लीग में खिलाड़ियों से परिचय करते उपायुक्त और खेल में दमखम दिखाते खिलाड़ी।

सोलह टीमें ले रहीं भाग

उपायुक्त ने घोषणा की कि टेबल टेनिस लीग की सफलता के आधार पर जिला में सभी प्रमुख खेलों में इसी प्रकार के संरचित कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे, ताकि जमीनी स्तर पर भागीदारी को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि इसी व्यापक दृष्टिकोण के अंतर्गत जिला प्रशासन 23 जनवरी से खेलो रोहतक का शुभारंभ करने की योजना बना रहा है। प्रतियोगिता की आयोजक जिला टेबल टेनिस कोच भावना सैनी ने बताया कि इस चैंपियनशिप में सोलह टीमें भाग ले रही है।

विजेता टीम को 21 हजार का इनाम दिया जाएगा

यह प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को अच्छा मुकाबला देना है। इस प्रतियोगिता में जीतने वाली टीम को 21 हजार का इनाम दिया जाएगा। इस अवसर पर स्कॉलर्स रोजरी स्कूल के डायरेक्टर रवि गुगनानी, खेल मंत्री के सलाहकार संदीप पाराशर, खेल विभाग की उप निदेशक सुनीता खत्री आदि मौजूद रहे।

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

●बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ●अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव●एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याद्दाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

राष्ट्र माता सावित्रीबाई फुले जयंती पर जिला स्तरीय अधिवेशन व सम्मान समारोह

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि हांसी के प्रथम उपायुक्त डॉ. राहुल नरवाल को स्मृति चिन्ह देते हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ के पदाधिकारी।

रोहतक। राष्ट्र माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के उपलक्ष्य में 3 जनवरी को हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ, जिला रोहतक की ओर से एक दिवसीय अधिवेशन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवगठित हांसी जिले के प्रथम उपायुक्त डॉ. राहुल नरवाल रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएमओ रोहतक डॉ. रमेश चंद्र एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी नसीब सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान डॉ. हरिनिवास ने की। मुख्य अतिथि डॉ. राहुल नरवाल ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले का जीवन सामाजिक चेतना और शैक्षणिक क्रांति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले, माता सावित्रीबाई फुले और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संघर्षों के कारण ही आज समाज शिक्षा के पथ पर आगे बढ़ पाया है। मुख्य वक्ता हरियाणा अनुसूचित जाति अध्यापक संघ के राज्य प्रधान डॉ. दिनेश निंबडिया ने कहा कि सावित्रीबाई फुले द्वारा 18 विद्यालयों की स्थापना उस दौर में क्रांतिकारी कदम था।

दिल्ली शब्दोत्सव के दूसरे दिन सुपवा बैंड ने किया मंत्रमुग्ध

- सुपवा बैंड की संगीतमय प्रस्तुति दर्शकों के लिए यादगार बन गई
- आत्मीय प्रस्तुति ने खचाखच भरे सभागार को भावविभोर कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) के कलाकार। *फोटो : हरिभूमि*

मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम नई दिल्ली में चल रहे दिल्ली शब्दोत्सव 2026 के दूसरे दिन दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) के सुपवा बैंड की संगीतमय प्रस्तुति दर्शकों के लिए यादगार बन गई। एक घंटे तक चली इस ऊर्जावान और आत्मीय प्रस्तुति ने खचाखच भरे सभागार को भावविभोर कर दिया और कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरकर सामने आई। सुपवा बैंड की प्रस्तुति में पारंपरिक भजनों, क्लासिक हिंदी फिल्मी गीतों और समकालीन फ्यूजन संगीत का प्रभावशाली संगम देखने को मिला। यह प्रस्तुति परंपरा के प्रति सम्मान और युवा कलाकारों की रचनात्मक प्रयोगशीलता दोनों का सुंदर उदाहरण रही। कार्यक्रम की शुरुआत डीएलसी सुपवा के ऑडियोग्राफी छात्र विक्रम के नेतृत्व में सशक्त शिव स्तुति जय जय नाथ शंकरा से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय और भावनात्मक बना दिया। इसके बाद बैंड ने मेरे सपनों की रानी पल पल दिल के पास गुलाबी आंखें जैसे सदाबहार गीतों के साथ-साथ मेरी लॉन्ड्री का एक बिल और सड्डा हक जैसे जोशीले रॉक गीतों की प्रस्तुति दी, जिस पर दर्शक लगातार तालियां बजाते रहे और झूमते नजर आए। नौ छात्र सदस्यों से गठित सुपवा बैंड, डीएलसी सुपवा का पहला आधिकारिक संगीत उपक्रम है, जिसकी परिकल्पना, प्रबंधन और प्रस्तुति पूरी तरह छात्रों द्वारा की जाती है। यह पहल विश्वविद्यालय में अनुभवात्मक शिक्षण, सहयोगात्मक सृजन और छात्र-नेतृत्व वाली सांस्कृतिक उद्यमिता को दर्शाती है।

सुपवा बैंड विवि की सोच का प्रतीक

कुलपति डॉ. अमित आर्य ने कहा कि सुपवा बैंड विश्वविद्यालय की उस सोच का प्रतीक है, जहां प्रतिभा, अनुशासन और नवाचार एक साथ विकसित होते हैं। शब्दोत्सव जैसे राष्ट्रीय मंच पर छात्रों की पेशेवर प्रस्तुति उनके आत्मविश्वास और कौशल को दर्शाती है। दिल्ली शब्दोत्सव 2026, सुरुचि प्रकाशन द्वारा हिंदी अकादमी, दिल्ली सरकार के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव है, जो साहित्य, संगीत, प्रदर्शन और विचारों के माध्यम से संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का उत्सव मना रहा है।

महाराजा अग्रसेन क्रिकेट स्टेडियम में देखने को मिले रोमांचक मुकाबले

अंडर-19 क्रिकेट लीग: एमडीसीए ने उपाध्याय अकादमी को छह विकेट से दी करारी शिकस्त

रोहतक के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए दिल्ली की टीम को 28.3 ओवर में 113 रन पर समेट दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। खिलाड़ी को सम्मानित करते मुख्यअतिथि डॉ. परम भूषण आर्या ।

बुधराम राजपूत स्मृति सोसाइटी द्वारा आयोजित चौथी मास्टर पूर्णमल स्मृति अंडर-19 क्रिकेट लीग 2026 के तहत महाराजा अग्रसेन क्रिकेट स्टेडियम में एमडीसीए रोहतक और क्रिकेट कोचिंग उपाध्याय अकादमी दिल्ली के बीच मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए एमडीसीए रोहतक ने शानदार प्रदर्शन किया।

रोहतक के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए दिल्ली की टीम को 28.3 ओवर में 113 रन पर समेट दिया। हरिनक्ष कौशिक ने 7 ओवर में 45 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि युगल भारद्वाज ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5.3 ओवर में मात्र 19 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। दिल्ली की ओर से कप्तान अर्जुन कमल ने 50 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से सर्वाधिक 49 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सके। 114 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमडीसीए रोहतक की टीम ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 28.3 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहतक की ओर से सागर ने 70 गेंदों पर 33 रन बनाए, जबकि आर्यन खंगवाल ने 24 गेंदों पर नाबाद 26 रन की तेज पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। दिल्ली की ओर से कप्तान अर्जुन ने गेंदबाजी में 1 विकेट भी लिया।

मैच के दौरान युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए डॉ. परम भूषण आर्या मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनका स्वागत बुधराम राजपूत स्मृति सोसाइटी के अध्यक्ष अश्विनी कुमार और सहयोगियों ने किया। शानदार प्रदर्शन के लिए युगल भारद्वाज को प्लेयर ऑफ द मैच तथा अर्जुन कमल को कंपीटीटर ऑफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

शहीद भगत सिंह क्रिकेट क्लब ने 5 विकेट से जीता मैच

- शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी किए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शनिवार को याड्र्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप 2026 के लीग मुकाबले में शहीद भगत सिंह क्रिकेट क्लब ने डीघल स्टार्स को 5 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला 20-20 ओवरों का था, जिसमें डिघल स्टार्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीघल स्टार्स की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 121 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सौरभ मलिक ने सबसे अधिक 39 गेंदों पर 36 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल थे। उनके अलावा विकेट कीपर विक्की पावड़िया ने तेज शुरुआत करते हुए 13 रन बनाए। जबकि रोहित ने नाबाद 24 रन और रोहित धनखड़ ने नाबाद 12 रन जोड़कर टीम को 100 के पार पहुंचाया। हालांकि मध्यक्रम पूरी तरह विफल रहा और लगातार विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

पिन्नी को मैन ऑफ द मैच घोषित किया

शहीद भगत सिंह क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी में मोनू तोमर और पिन्नी 08 ने 2-2 विकेट लेकर बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। 122 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी शहीद भगत सिंह क्रिकेट क्लब की शुरुआत संतुलित रही। कप्तान सोमवीर मलिक जल्दी आउट हो गए, लेकिन इसके बाद पुनीत शर्मा ने 26 गेंदों पर 26 रन बनाकर पारी को संभाला। मध्यक्रम में मोनू सिवाच ने 23 रन बनाए, जबकि पिन्नी 08 ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और टीम को जीत के करीब पहुँचाया। अंत में विक्रम नंदल ने 7 रन बनाकर जीत सुनिश्चित की। शहीद भगत सिंह क्रिकेट क्लब ने 19.3 ओवरों में 5 विकेट खोकर 126 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। डीघल स्टार्स की ओर से गेंदबाजी में पर्व अहलावत ने 2 विकेट लिए, जबकि रोहित धनखड़ और पंकज को 1-1 सफलता मिली, लेकिन वे लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए पिन्नी को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। सौरव मलिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, गेंदबाजी में सबसे प्रभावी प्रदर्शन मोनू तोमर ने किया।

माता सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती मनाई

रोहतक। सैनी एजुकेशन सोसाइटी में देश की प्रथम शिक्षिका, प्रथम महिला प्रिंसिपल और महान समाज सुधारक माता सावित्रीबाई फुले की 195वीं जन्म जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सैनी बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल की मिडिल विंग में स्थित माता सावित्रीबाई फुले शिक्षा सदन में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में सोसाईटी की तीनों गवर्निंग बॉडीज के पदाधिकारी, कार्यकारिणी व कॉलेजियम सदस्य, शिक्षण संस्थानों के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी तथा समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। सोसाईटी के प्रधान अवनीश कुमार सैनी ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले 19वीं सदी की महानतम विभूतियों में से एक थीं, जिन्होंने सामाजिक विरोध और कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा और समानता की अलख जगाई। कार्यक्रम में उप-प्रधान बुधराम सैनी, सचिव जगदीश कुमार सैनी आदि मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर आयोजित

रोहतक। आयोजित शिविर में रक्तदाता को प्रशंसा पत्र देते बावा सुखा शाह महाराज। *फोटो : हरिभूमि*

रोहतक। अम्बेडकर चौक पर गुरुदेव बावा प्रेम दास महाराज के पावन आशीर्वाद से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक बावा सुखा शाह महाराज ने की। पीजीआई ब्लड बैंक, रोहतक के सहयोग से आयोजित इस शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बावा सुखा शाह ने रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र और बैज प्रदान कर सम्मानित किया और युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रियवीर डागर ने बीसवीं बार रक्तदान कर सेवा भाव की मिसाल पेश की।

तनाव प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बालंद स्थित एचडी पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य, कार्यक्षमता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तनाव प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के लगभग 56 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को उपयोगी बताया। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन अमित ने तनाव के प्रमुख कारणों, इसके शारीरिक व मानसिक प्रभावों तथा तनाव से निपटने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने शिक्षकों को दैनिक जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने, समय प्रबंधन, ध्यान, योग और संतुलित जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने बताया कि तनाव को नियंत्रित कर शिक्षक अपने कार्य में अधिक प्रभावी और ऊर्जावान बन सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष सत्यदेव सिगरोहा, उपाध्यक्ष सुधीर सिगरोहा एवं प्रधानाचार्या कंचन पाठक की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि तनावमुक्त और मानसिक रूप से स्वस्थ शिक्षक ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

फ्री हेल्थ कैंप में 118 ग्रामीणों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। आयोजित शिविर में मरीज की जांच करते डॉक्टर, साथ में आयोजक।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की यूथ रेड क्रॉस ने यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के सहयोग से सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती के अवसर पर बणियानी गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया। इस शिविर में बणियानी के साथ-साथ गोद लिए गए गांव ग्राम मंडोदी रंगरान और माड़ोदी जाटान के ग्रामीणों ने भी लाभ उठाया। कुल 118 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजकों, ग्राम सारथियों, वाईआरसी स्वयंसेवकों एवं चिकित्सकों से जुड़कर शिविर के सफल आयोजन पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. सपना गर्ग, निदेशक डीएसडब्ल्यू ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देते हैं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करते हैं। वहीं, विशिष्ट अतिथि सरिता हूफा (मसु ब्रेक्स प्राइवेट लिमिटेड) ने एमडीयू के सामुदायिक कल्याण के प्रयासों की सराहना की। शिविर का समन्वय प्रो. अंजू धीमान (निदेशक, वाईआरसी एवं यूनिवर्सिटी आउटरीच), डॉ. बिंदु अहलावत, प्रो. ऑफ प्रैक्टिस सुनील जगलान, ग्राम सरपंच श. राम जीवन एवं डॉ. हरकेश सहरावत ने किया।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज

फौजी भाईयों का इलाज ECHS
- हरियाणा सरकार
- आयुष्मान भारत
- ESIC के पैनल पर

DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HDU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

GRADUATE TAILORS
Since 1961
आप सभी को गुरु गोबिन्द सिंह जी के प्रकाशोत्सव की लख-लख बधाईयां
Partap Theatre Road, Rohtak
(M) 9812168910
स. प्रीत पाल सिंह

श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के प्रकाशोत्सव की लख-लख बधाईयां

सवा लाख से एक लड़ाऊँ,
चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊँ,
तबे गोबिन्द सिंह नाम कहाऊँ।

आप सभी को गुरु गोबिन्द सिंह जी के प्रकाशोत्सव की लख-लख बधाईयां
TITU SHUTTERING CONTRACTOR
H.O. Circular Road, Labour Chowk, Rohtak
STEEL SHUTTERING PLATE, PILLER FRAME MIXER & VIBRATOR FOR RENT
हमारे यहां पिलर फर्मे, ईंट-रोड़ा तोड़ने व दबाने की मशीन, मिक्चर मशीन, हैमर मशीन, मंकी लिफ्ट मशीन किराए पर मिलती है एवं नई मशीनें भी मिलती हैं।
यहां पर लोहे की पैड एवं माऊंटिंग मशीन भी उपलब्ध है।
Prop. S. Malkeet Singh Pahwa (Titu)
Taranpreet Singh (Shanky), Aman (Gagan)
Mob. : 9812033868, 9034840009, 9050805157

आप सभी को श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी
प्रकाशोत्सव पर्व की लख-लख बधाईयां
योगाचार्य सरदार हवा सिंह सैनी
जोगेन्द्रा मशीन टूल्स
भिवानी रोड, नजदीक रामलीला ग्राऊंड, रोहतक मो. 9416125620

आप सभी को श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के प्रकाशोत्सव पर्व की लख-लख बधाईयां
Contact For
Steel Shuttering Plants, Lift Mixer, Concrete Mixers Machine & Vibrator on Rent
RAVINDER SINGH
RAVINDERA SHUTTERING STORE
Near Ashoka Plaza, Circular Road, Rohtak, M.: 9812070977

खबर संक्षेप

कार्यशाला में एनडीपीएस एक्ट पर प्रकाश डाला

रोहतक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एडीआर सेंटर के सभागार में स्टेकहोल्डर्स के साथ शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया। सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जिला में संचालित कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं सफल बनाना था। कार्यशाला के दौरान चीफ लीगल डिफेंस काउंसिल मुकेश कुमार ने एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रावधानों एवं कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला। मौके पर एएनसी विभाग से एएसआई मोहन सिंह एवं एलएएसआई सुशीला, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय से दीपिका एवं सुशीला, एमडीडी ऑफ इंडिया से मिथिलेश तथा पब्लिक गुड्स वेलफेयर सोसायटी से निर्मल सिंह सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रोहतक। अपनी मांगों के लिए डीईओ मंजीत मलिक को ज्ञापन देते हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के सदस्य।

11 फरवरी को हल्ला बोल प्रदर्शन का ऐलानः संजय

रोहतक। सर्व कर्मचारी संघ से संबद्ध हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन की जिला कमेटी की बैठक शनिवार को डीईओ कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय भारद्वाज ने की, जबकि संचालन सचिव राजेश खरकड़ा ने किया। बैठक के उपरांत जिला कमेटी सदस्यों ने डीईओ मंजीत मलिक की मार्फत डायरेक्टर, शिक्षा सदन पंचकूला के नाम 11 फरवरी को हल्ला बोल प्रदर्शन का नोटिस सौंपा। मुख्य वक्ता कोषाध्यक्ष मुकेश खरब ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि फील्ड क्लर्क लंबे समय से अन्याय का शिकार हैं।

नए साल पर दम घुटने से तीन नेपाली युवकों की हुई थी मौत

दूसरे दिन संतोष का हुआ पोस्टमार्टम, पिता बोले 31 दिसंबर को किया था फोन, नहीं उठाया, 2 साल पहले आया था भारत

- अंगीठी जलाकर सोने से दम घुटने की आशंका जताई
- पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपे, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक। मृतक का शव ले जाते परिजन। फोटो: हरिभूमि

नए साल की पूर्व संध्या पर फौजी फार्म हाउस में हुई दुखद घटना में तीन नेपाली युवकों की मौत हो गई थी।

मृतकों की पहचान कमल, राजकुमार और संतोष के रूप में हुई है, जिनकी उम्र लगभग 22 साल है। तीनों नेपाल के निवासी थे और रोहतक में अलग-अलग प्रोपर्टी डीलरों के ऑफिस में काम करते थे। पुलिस ने पहले राजकुमार का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद संतोष का पोस्टमार्टम भी कर उनके परिजनों को सौंपा गया। संतोष के पिता धन मादुर ने बताया कि उन्होंने 30 दिसंबर को अपने बेटे को फोन किया था, लेकिन 31 दिसंबर को संतोष ने फोन नहीं उठाया। नए साल पर उन्हें बेटे की मौत की सूचना मिली, जिसके बाद वह रोहतक पहुंचे। संतोष दो साल पहले भारत आया था और रोहतक में एक प्रोपर्टी डीलर के ऑफिस में काम कर रहा था। वह उनके बड़े बेटे थे, जबकि उनका एक छोटा बेटा और एक बेटी भी हैं।

तीनों मृतकों में से कमल के परिजन अभी नेपाल से रोहतक नहीं पहुंचे हैं, इसलिए उनके शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पुलिस के अनुसार, कमल के परिजन आज शाम तक पहुंचने की उम्मीद है।

मृतक का फाइल फोटो

नए साल की पार्टी के लिए बुलाया गया था

पुलिस सूत्रों के अनुसार, तीनों युवकों को नए साल की पार्टी के लिए फार्म हाउस बुलाया गया था। पार्टी खत्म होने के बाद उन्हें वहीं सोने के लिए कहा गया। प्रोपर्टी डीलरों ने उन्हें कंबल भी उपलब्ध करवाए, ताकि रात में उन्हें ठंड न लगे। लेकिन खाना खाने के बाद तीनों कमरे में अंगीठी जलाकर सो गए। इसके कारण कमरे में ऑक्सीजन की कमी और धुएं के प्रभाव से दम घुटने की वजह से उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी फार्म हाउस के मालिक ने 1 जनवरी दोपहर में दी, जब उन्होंने देखा कि तीनों बेसुध पड़े हैं। तुरंत ही पुलिस को सूचित किया गया और मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया गया।

बयान दर्ज

सिटी थाना एसएचओ रमेश ने बताया कि पुलिस ने मृतकों के परिजनों के बयान दर्ज करना शुरू कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि घटना की पूरी जांच की जा रही है और सभी साक्ष्यों का अध्ययन किया जा रहा है।

गुरुपर्व को समर्पित भव्य नगर कीर्तन रोहतक में आयोजित

संगत ने 'जो बोले सो निहाल' के जयकारों के साथ किया शहर में गुरबाणी का प्रचार

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक में कलगीधर पातशाह, श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश गुरुपर्व के पावन अवसर पर भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। यह कीर्तन कार्यक्रम शहर के गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ हुआ और मुख्य बाजारों से होते हुए पुनः गुरुद्वारे में संपन्न हुआ। नगर कीर्तन में शामिल श्रद्धालुओं और संगत ने पूरे मार्ग में गुरबाणी के जाप और बोले सो निहाल के जयकारों से वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी को बेहद सुंदर और रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया। पालकी की अगुवाई पांच प्यारे साहिबान कर रहे थे, जिनके कदमों के साथ संगत ने जयकारे लगाकर पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। नगर कीर्तन का यह दृश्य श्रद्धालुओं और आम जनता के लिए अत्यंत मनोहारी और आध्यात्मिक दृष्टि से अद्भुत रहा।

रोहतक। नगर कीर्तन में पंज प्यारे साहिबान का स्वागत करती संगत। फोटो: हरिभूमि

संगत का उत्साह और सेवा दिखी

नगर कीर्तन में संगत सतनाम वाहेगुरु का जाप करते हुए आगे चल रही थी। कीर्तन के मार्ग में संगत स्वयं झाड़ू और अन्य सफाई के कार्य करके नगर को स्वच्छ बनाए रखने में जुटी रही। इस प्रकार की सेवा ने नगर कीर्तन को केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि समाज सेवा और सहयोग का भी उदाहरण बना दिया।नगर कीर्तन के मार्ग में चल रही संगत ने कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के सहयोग से लंगर का आयोजन किया। इसमें पकौड़े, चाय और अन्य पेय-भोजन का वितरण किया गया। इस सेवा ने नगर कीर्तन में शामिल हर व्यक्ति के हृदय में मानवता और सेवा भाव का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं था, बल्कि सामाजिक एकता और परोपकार का प्रतीक भी रहा। नगर कीर्तन में शहर के विभिन्न हिस्सों से भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बुजुर्ग, युवा और बच्चे सभी ने मिलकर गुरु की महिमा का गुणगान किया। पूरे मार्ग में संगत ने न केवल आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया, बल्कि अपने कर्तव्यों और सेवा भाव का भी प्रदर्शन किया। पालकी के साथ चल रही संगत ने अपने उत्साह और अनुशासन से पूरे नगर कीर्तन को भव्य और आकर्षक बना दिया।

गुरु के आदर्शों का संदेश

आयोजन के दौरान वक्ताओं और आयोजकों ने संगत को यह भी बताया कि गुरु गोबिंद सिंह ने अपने जीवन में त्याग, साहस और सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। नगर कीर्तन और गुरबाणी का यह आयोजन युवाओं और बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। इस अवसर पर संगत ने न केवल गुरु की शिक्षाओं को जाना, बल्कि उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प भी लिया।

गतका प्रदर्शन में बच्चों का योगदान

रोहतक। नगर कीर्तन में गतका पार्टी की टीम ।

नगर कीर्तन के दौरान गतका पार्टी की टीम ने अपने अद्भुत करतब प्रस्तुत किए। उनके करतब देखकर संगत ने "बोले सो निहाल" के जयकारे लगाकर अपने उत्साह का परिचय दिया। इसके अलावा स्थानीय स्कूलों के छात्रों ने गुरबाणी कीर्तन का गायन किया, जिससे नगर कीर्तन का माहौल और अधिक भक्तिमय और आनंदपूर्ण बन गया। बच्चों की मधुर आवाज और सुरों की लहर ने नगर कीर्तन में शामिल हर श्रद्धालु को आध्यात्मिक अनुभव से भर दिया।

समापन और आभार

नगर कीर्तन का समापन गुरुद्वारा साहिब में हुआ, जहां उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने गुरु के प्रकाश पर्व की महत्ता को समझते हुए भक्ति और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, रागी जत्थों, स्कूल बच्चों और समाजसेवियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के नगर कीर्तन न केवल धार्मिक उत्सव का प्रतीक हैं, बल्कि समाज में सेवा, अनुशासन और भाईचारे का संदेश भी फैलाते हैं। इस भव्य नगर कीर्तन ने पूरे रोहतक शहर को गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के उल्लास और भक्ति भाव से भर दिया और संगतों को आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम में शामिल हर व्यक्ति ने अपने जीवन में गुरु के आदर्शों और त्याग के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में नॉर्थ-ए व साउथ-बी ब्लॉक क्रिकेट चैंपियनशिप की औपचारिक शुरुआत करते कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी।

बाबा मस्तनाथ विवि में नॉर्थ और साउथ-बी क्रिकेट चैंपियनशिप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के क्रिकेट ग्राउंड में आज नॉर्थ-ए और साउथ-बी ब्लॉक के बीच क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और खेल भावना का संदेश देकर किया।

मैच में नॉर्थ-ए टीम की कप्तानी वैभव ने जबकि साउथ-बी टीम का नेतृत्व शुभम ने किया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ-बी टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 52 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान शुभम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 25 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नॉर्थ-ए टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 4 ओवर में 53 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं : महंत योगी

कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन खेल निदेशक डॉ. बब्लू शर्मा के नेतृत्व में किया गया। सह-संयोजक के रूप में डॉ. ईशू खंगवाल तथा आयोजन सचिव डॉ. जितेन्द्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार, डीन ऑफ एकेडमी डॉ. नवीन कुमार सहित अन्य पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रोहतक। मॉडल टाउन कम्युनिटी सेंटर में जरूरतमंद मजदूरों के लिए सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान रोटरी क्लब रोहतक हेरिटेज के सदस्यों ने 150 गरीबों को जरूरत का सामान वितरित किया। फोटो: हरिभूमि

कड़ाके की ठंड में मानवता की मिसाल बना रोटरी क्लब रोहतक हेरिटेज

रोहतक। कड़ाके की ठंड के बीच रोटरी क्लब रोहतक हेरिटेज ने मानवता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए मॉडल टाउन कम्युनिटी सेंटर में जरूरतमंद मजदूरों के लिए सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। शाम 6 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने सामूहिक रूप से लगभग 150 गरीब मजदूरों को गर्म कंबल, टोपी, दस्ताने, जुराबें तथा टिफिन में खाने-पीने का सामान वितरित किया। इस सहायता से मजदूरों को भीषण ठंड से बड़ी राहत मिली और उनके चेहरों पर मुस्कान दिखाई दी। क्लब के अध्यक्ष डॉ. राजीव धमीजा ने बताया कि रोटरी क्लब रोहतक हेरिटेज सदैव सामाजिक सरोकारों से जुड़ा रहा है। क्लब द्वारा पूर्व में वाटर कूलर सहित अनेक सामाजिक परियोजनाएं सफलतापूर्वक संचालित की जा चुकी हैं और भविष्य में भी मानव सेवा के ऐसे कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा ही रोटरी क्लब का मूल उद्देश्य है। इस सेवा कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन इंजीनियर डॉ. करण भूटानी एवं कविता जैन रहे। कार्यक्रम में शेखर बत्रा, डॉ. सुरेंद्र सूखीजा, संजीव धमीजा, जेपी अरोड़ा, संजय दुआ, संजय खुराना, रमन गिरोत्रा, हरीश भूटानी, कृष्ण खेत्रपाल, प्रदीप रंजन, संदीप महेंद्रु, संजय गुप्ता, संजय जैन, संदीप जैन, ललिता बत्रा, रीटा धमीजा, कविता जैन, सुनीता रंजन, कविता खेत्रपाल, सुनीता धमीजा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

- जरूरतमंद मजदूरों को कंबल व राहत सामग्री वितरित

नए साल में नया मेहमान बना खुशियों का संदेश

चौ. लखीराम आर्य विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में नवजात का स्वागत किया

रोहतक। नववर्ष के शुभ अवसर पर चौ. लखीराम आर्य विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में खुशियों का आगमन हुआ। भिवानी अस्पताल में जन्मा पांच दिन का एक सुंदर चाइल्ड बॉय एजेंसी में लाया गया, जिसका स्टाफ एवं प्रबंधन द्वारा फूल बरसाकर हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। नन्हे मेहमान के आगमन से आश्रम परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति के चेयरमैन सतीश कौशिक एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नवजात को ठंड से सुरक्षित रखने तथा उसके स्वास्थ्य की देखभाल को लेकर सभी आवश्यक निर्देश दिए। वर्तमान समय में दत्तक ग्रहण एजेंसी में कुल 9 बालिकाएं एवं बालक सुरक्षित रूप से रह रहे हैं, जिनका समुचित लालन-पालन किया जा रहा है। एजेंसी से जुड़े राष्ट्रीय पंडित स्वामी ओमानंद एवं प्रसिद्ध ठेकेदार प्रियव्रत के सेवा और संरक्षण से जुड़े सपने साकार होते नजर आ रहे हैं। आश्रम के प्रधान, मंत्री सुभाष सांगवान, रविंदर सिंह, राजरूप राठी एवं हवा सिंह राठी ने रोहतक निवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार से किसी प्रकार की सहायता न मिलने के बावजूद सहयोगियों के कारण एजेंसी में किसी प्रकार का अभाव नहीं है। प्रसिद्ध दानवीर राजेश जैन के निरंतर सहयोग के लिए भी प्रबंधन ने आभार जताया। अंत में सभी सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

चारा मंडी के दुकानदारों को दुकानें मिलने की मांग पूरी करवाने पर पूर्व मंत्री का छलका दर्द

ग्रोवर बोले, विधायक बनने के बाद नजर नहीं आते बत्रा, हार के बावजूद मेरी सक्रियता में कोई कमी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर का शनिवार को उस समय हार का दर्द छलक पड़ा, जब हरियाणा के इतिहास में रोहतक की चारा मंडी में पहली बार दुकानदारों को दुकाने अलॉट होने की खुशी में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें मान सम्मान स्वरूप पगड़ी पहनाई। ग्रोवर बोले मैं दो बार पार्षद बना और एक बार विधायक बना लेकिन थोड़े से वोटो के अंतर से विस का चुनाव हार गया। पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा के स्थाई वोटो के कारण बत्रा विधायक बन गए जबकि मेरी सक्रियता में और मेरे कामों में कोई कमी नहीं रही। लोगों को जाति पाती नहीं, मेरे काम देखने चाहिए थे। चारा मंडी में पहली बार दुकानदारों को दुकानें आवंटित किए जाने की खुशी के मौके पर आयोजित सम्मान समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि कच्चा बेरी रोड पर सेकंड फेज में एलिवेटेड फ्लाईओवर बनवाकर पूरी मंडी को रोहतक शहर से जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया था।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर का स्वागत करते चारा मंडी के पदाधिकारी व दुकानदार।

21 दुकानदारों को दुकान अलॉट की गई

चारा मंडी में आयोजित सम्मान समारोह में पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि झज्जर चुंगी, सुनारियां चौक और भिवानी चुंगी की दर्जनों कॉलोनीयों के हजारों लोगों को हमेशा के लिए सीधा लाभ पहुंचाने का काम किया। रोहतक विधानसभा से अनेक बार कांग्रेस के विधायक बने, लेकिन उन्होंने एक बार भी इस समस्या की ओर नहीं देखा। चारा मंडी के दुकानदारों की पुरानी मांग पर कभी अमल नहीं किया। बतौर विधायक रहते हुए शहर के बीचो-बीच एलिवेटेड फ्लाई ओवर बनवाकर लाखों लोगों को राहत दी जबकि कांग्रेस सरकार ने जितने भी फ्लाईओवर बनवाये थे, उन्होंने सभी बाजारों को बर्बाद करने का काम किया था। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के बच्चे भी देश की राजधानी समेत दूसरे राज्यों में नौकरी करते हैं। हरियाणा सरकार ने पिछले 11 साल में करीब 2 लाख पक्की नौकरी देने का काम किया है। इससे पहले चारा मंडी एसोसिएशन के प्रधान हंसराज ने अपने पदाधिकारियों के साथ पूर्व मंत्री का सम्मान किया। सरकार की ओर से चारा मंडी में 21 दुकानदारों को दुकान अलॉट की गई हैं जबकि 14 दुकानें भी जल्द अलॉट होंगी। इस मौके पर मार्केट कमेटी के अध्यक्ष अशोक चौधरी, जय सिंह हुड्डा, कृष्ण खुराना, राजकुमार खुराना, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप बुधवार, साहिल मग्गू, राजकुमार सुनारिया, सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

संकट मोचन मंदिर में पौष पूर्णिमा पर हवन

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में शनिवार को ब्रह्मलीन गुरुमां साध्वी गायत्री के सानिध्य में पौष पूर्णिमा हवन, सत्संग और प्रवचन का आयोजन किया गया। साध्वी और भक्तों ने हवन में आहुति डाल मनोकामनाएं मांगी। अशोक शर्मा ने आरती की और प्रसाद वितरित किया। यह जानकारी सचिव गुलशन भाटिया ने दी। साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि हिंदू धर्म में हवन का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि किसी भी नए काम को शुरू करने से पहले अगर हवन करा लिया जाए तो उस काम में बाधा नहीं आती। पौष महीने में पड़ने वाली पूर्णिमा को फुल मून भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि पुराने समय में पूर्णिमा के समय में जब खूब ठंड पड़ती थी तो भेड़ियों के झुंडों की आवाज दूर-दूर तक जाती थी। इसी वजह से इस पूर्णिमा को वुल्फ मून का नाम दिया गया। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होता है और इसी वजह से पौष की पूर्णिमा वाला चांद एकदम क्लियर नजर आता है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

5 फैमिली के संग घूम आइए अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में क्रुगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, शासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिउ केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और संसार में कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रुगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेल्लनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनयार्ड्स और कालाहारी देखने चाहिए।

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसावा, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफ्फेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एक्लेक्टिक फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

लुई ब्रेल

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्मेंः नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदेंः इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्मेंः इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *